

| वि०सू० | नाम संख्या | श्लोक |
|--------|------------------------------|-------|
| | ध्रुवमातुः १ सुनीतीति | ७६ |
| | दक्षमातुः १ मारिषेति | ७६ |
| | देवपथस्य ४ छायापथादि | ७७ |
| | रवेः ३८ दिनमस्यादि | ७७ |
| | शनिमातुः ५ छायादि | १०० |
| | यममातुः १४ संज्ञादि | १०० |
| | अनूरोः ३ आश्वनादि | १०२ |
| | जटायोः २ जटायादि | १०२ |
| | काजस्य ८ कालादि | १०२ |
| | दिनस्य ४ वासादि | १०३ |
| | प्रभातस्य २ उषादि | १०३ |
| | विकालस्य ३ गोसर्गादि | १०३ |
| | रात्रेः १७ रात्र्यादि | १०४ |
| | श्वनिशयाः २ श्वनिशादि | १०५ |
| | अर्द्धरात्रस्य ३ निःसंपातादि | १०६ |
| | अपररात्रस्य २ उच्चंद्रादि | १०६ |
| | अमावस्याः ३ दर्शादि | १०६ |
| | कृष्णचतुर्दश्याः १ भूतेति | १०७ |
| | पौर्णमास्याः २ पौर्णम्यादि | १०७ |
| | शुक्लोत्सवस्य २ शुक्लोत्वादि | १०७ |

| नाम संख्या | श्लोक |
|-------------------------------|-------|
| कोजागरायाः ५ शरद्यादि | १०७ |
| दीपाल्याः २ यक्षरात्र्यादि | १०८ |
| चैत्रावल्याः ६ चैत्रावल्यादि | १०८ |
| सासस्य ३ श्रामादि | १०९ |
| वर्धस्य ६ वत्सरादि | १०९ |
| शरदृतोः २ कालप्रभातादि | ११० |
| वर्षर्तौः २ प्रावृषादि | ११० |
| कार्तिकस्य २ कौमुदादि | १११ |
| फाल्गुनस्य २ फाल्गुनाब्जादि | १११ |
| ज्येष्ठस्य १ ज्येष्ठामूलीयेति | १११ |
| सत्ययुगस्य २ कृतादि | ११२ |
| त्रेतायुगस्य २ त्रेतादि | ११२ |
| द्वापरस्य २ द्वापरादि | ११२ |
| कलेः ३ कल्यादि | ११२ |
| पापस्य ५ पापादि | ११२ |
| शुभस्य ५ भद्रादि | ११३ |
| आत्मनः ६ आत्मादि | ११३ |
| मनसः ३ अनाःकरणादि | ११४ |
| बुद्धेः ४ बुद्ध्यादि | ११४ |
| विचारस्य ५ विचारादि | ११४ |